अभिधान राजेन्द्र कोष भाग-५ (फोल्डर नं. ९६०४५)

रचयिता – विजय राजेन्द्रसूरिश्वरजी

मुख्य टाइटल
प्रकाशकीय निवेदन
द्वितीयावृत्ति – प्रस्तावना
सौधर्म बृहत्तपागच्छीय पट्टावली
आभार प्रदर्शनम्
श्री अभिधान राजेन्द्र कोष भाग-५
पकार
प ---------- १
पउमलया ---------- १५
पएसि (ण्) ---------- २८
पओग ---------- ४५
पंजलि ---------- ५७
पक्खारिण ---------- ६९
पच्चक्ख ---------- ७४
पच्चक्खाण ---------- ८६
पच्चमाण ---------- १२३
पच्छित्त ---------- १३०
पज्जति ----------२११
पज्जुसवणाकप्प ---------- २३६
पट्टावलि ---------- २५६
पडिक्कमण ---------- २६२
पडिपुच्छणा ---------- ३२५
पडिलेहणा ---------- ३३९
पडुच्च ---------- ३७१
पण्णत्तिकुसल ---------- ३८५
पत्त ---------- ३९५
पत्तकप्पिय ---------- ४२५
पभासचित्तगर---------- ४४१
पमाण ---------- ४४४
पमायट्ठाण ---------- ४८२
पय ---------- ५०३
परतत्त ---------- ५२३

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

परमट्ठि(ण्) -- ५३९
परिग्गह --- ५५३
परिट्ठवणा --- ५७०
परिणाम -- ५९३
परियंत -- ६२७
परिसा --- ६४९
परिहार -- ६६०
पलंब -- ६९९
पवज्जा --- ७३३
पवत्तिणी -- ७७९
पव्व --- ७९९
पसढ ---८११
पाणबह --- ८३३
पादणिज्जोग -- ८५१
पारिट्ठावणिया -- ८६९
पावसमण -- ८८३
पासंडत्थ -- ९०५
पिंड -- ९१८
पिवित्तए--- ९३९
पुंडरीया -- ९४४
पुक्खरवरदीव -- ९६५
पुणआइ --- ९९१
पुप्फचूलिया -- १००३
पुरिसजाय --- १०१७
पुरिसवि(च)जयविभंग --- १०३९
पुव्वा -- १०६५
पेढालपुत्त --- १०८१
पेसप्पओग --- १०९५
पोता ---११२१
पोसह -- ११३३
फकार
फ -- ११४१
फल -- ११४७
फिट्ट -- ११५९
बकार

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

ब -- ११६४
बंध -- ११६५
बंधण -- ११९२
बंधमोक्खसिद्धि -- १२४१
बंभ -- १२५७
बंभचेरसमाहिट्ठाण -- १२६८
बलभावणा -- १२८९
बहुस्सुयपूया -- १३०७
बिंबभूय -- १३२३

भकार

भ -- १३३४
भट्ट -- १३४१
भत्तपरिण्णा -- १३६१
भप्पय -- १३७७
भरह -- १३८५
भव -- १४७८
भावणा -- १५०६
भासा -- १५२३
भिक्खु -- १५६१
भिलिंगावंत-- १५८३
भोगपूर -- १६०५
भोयण -- १६११

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org